राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

वरिष्ठतम पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित

मीडिया की जीवंतता लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत– राज्यपाल

जयपुर, 10 जुलाई। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने मीडिया की जीवंतता को लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए उससे मिशनरी के रूप में कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि व्यवसायिकता के इस दौर में भी बहुत से पत्र–पत्रिकाएं और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चौनल स्वस्थ पत्रकारिता के मूल्यों की पालना कर रहे हैं, जो सराहनीय है ।

राज्यपाल श्री मिश्र रविवार को भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम स्कूल के महाराणा प्रताप सभागार में जयपुर महानगर टाइम्स द्वारा आयोजित वरिष्ठतम पत्रकार सम्मान समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गणतंत्र की जड़ों को सींचने का कार्य पत्रकारिता करती है, इसीलिए विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बाद पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ माना गया है।

राज्यपाल ने कहा कि नागरिकों को संविधान प्रदत्त अधिकारों और कर्तव्य के लिए जागरूक करने और कानूनों की पालना करने वाले जिम्मेदार नागरिक तैयार करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। मीडिया की विश्वसनीयता और साख को बनाए रखने के लिए जरूरी है कि वह सच के साथ रहते पारदर्शिता के साथ निष्पक्ष रिपोर्टिंग करे ।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि स्वाधीनता आंदोलन में मीडिया के महत्वपूर्ण योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि महात्मा गांधी, लोकमान्य तिलक, अरविंद घोष, मदन मोहन मालवीय, गणेश शंकर विद्यार्थी, अजीमुल्ला खां ने देश की आजादी के लिए लोगों को आंदोलित करने का कार्य किया। उन्होंने समाचार पत्रों के जरिए अंग्रेजों के शासन की अराजकता को उजागर करते उन्हें देश छोड़ने के लिए मजबूर किया। राज्यपाल ने कहा कि व्यावसायिक हितों के नाम पर प्रेस को जन भावनाओं को उद्वेलित करने वाले अथवा भ्रामक समाचार प्रकाशित और प्रसारित करने से बचना चाहिए ।

समारोह में राज्यपाल श्री मिश्र ने श्री प्रवीणचंद छाबड़ा को महात्मा गांधी पत्रकारिता सम्मान, श्री विजय भंडारी को लोकमान्य तिलक सम्मान, श्री मिलापचंद डांडिया को गणेशशंकर विद्यार्थी सम्मान, एवं श्री सीताराम झालानी को मदनमोहन मालवीय सम्मान और एक–एक लाख रुपए राशि का चेक प्रदान कर सम्मानित किया।

स्व. श्री श्याम आचार्य को प्रदत्त बाबूराव विष्णु पराड़कर पत्रकारिता सम्मान उनके परिजनों ने प्राप्त किया। स्व. आचार्य के पुत्र, पुत्री, ज्येष्ठ पुत्र की पुत्रवधू को एक–एक लाख रुपए राशि का चेक प्रदान किया गया। वरिष्ठ पत्रकार श्री विजय भंडारी ने सम्मान स्वरूप मिली राशि जरूरतमंद व कोरोना पीड़ित रहे पत्रकारों और उनके परिजनों की सहायतार्थ देने की घोषणा की।

शिक्षा एवं कला–संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने कहा कि सम्मानित होने वाले सभी वरिष्ठ पत्रकारों ने सक्रिय पत्रकारिता के अपने दौर में त्याग, समर्पण और ईमानदारी से अपनी कलम चलाई। इन्होंने लोकहित को सर्वोपरि रखते हुए स्वस्थ, निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता की मिसाल पेश की है ।

सांसद तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री कर्नल श्री राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि स्वतंत्रता के महत्व के प्रति नई पीढ़ी को जागरूक कर भविष्य का भारत तैयार करना सच्चे पत्रकार का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि समाचार और सूचना के तेजी से प्रसार के इस दौर में भी मुद्रित माध्यम की प्रामाणिकता और विश्वसनीयता बनी हुई है।

महानगर टाइम्स के संपादक श्री गोपाल शर्मा ने कहा कि अपनी स्वतंत्र लेखनी से आमजन के हितों के लिए जीवन पर्यन्त आवाज उठाने वाले नब्बे वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठतम पत्रकारों का अभिनंदन करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने अपने सम्बोधन में राज्यपाल श्री मिश्र के सादगीपूर्ण जीवन और व्यक्तित्व से जुड़े संस्मरण साझा किए। राजनेता श्री मोहन प्रकाश ने कहा कि राजस्थान की पत्रकारिता को दिशा देने का कार्य करने वाले वरिष्ठ पत्रकारों के योगदान को स्मरण करना और उनका सम्मान करना सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि संविधान और मानवता के मूल्यों को अक्षुण्ण रखने के लिए मीडिया को संकल्पित रहकर कार्य करना चाहिए।

कार्यक्रम के आरम्भ में राज्यपाल श्री मिश्र ने संविधान की उद्देश्यिका तथा मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।

समारोह में महानगर टाइम्स के संपादकीय प्रभारी श्री जिज्ञासु शर्मा, बड़ी संख्या में पत्रकार और गणमान्य जन उपस्थित रहे।

———